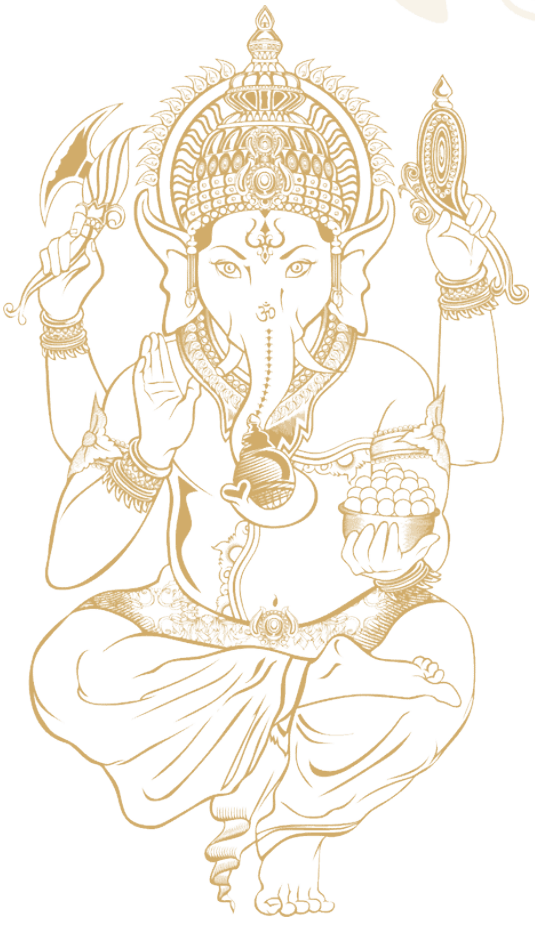

Jagrat

Kavya verma

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120953205

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
05/06/1996	जन्म तिथि	15/12/1999
बुधवार	दिन	बुधवार
घंटे 14:32:00	जन्म समय	20:06:00 घंटे
घटी 22:28:34	जन्म समय(घटी)	32:25:26 घटी
India	देश	India
Jaipur	स्थान	Fatehpur Sikri
26:53:00 उत्तर	अक्षांश	27:06:00 उत्तर
75:50:00 पूर्व	रेखांश	77:39:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:40	स्थानिक संस्कार	-00:19:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:32:34	सूर्योदय	07:01:01
19:17:58	सूर्यास्त	17:27:39
23:48:30	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:09

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 9वर्ष 11मा 12दि		19:55:59	कन्या	लग्न	कर्क	05:22:30	गुरु 10वर्ष 11मा 9दि	
राहु		21:09:58	वृष	सूर्य	वृश्चि	29:18:55	शनि	
19/05/2013		10:03:52	मक	चंद्र	कुंभ	24:12:51	24/11/2010	
19/05/2031		00:59:17	वृष	मंगल	मक	21:01:11	24/11/2029	
राहु	30/01/2016	28:33:46	मेष	बुध	वृश्चि	12:31:49	शनि	27/11/2013
गुरु	24/06/2018	22:19:23	धनु व	गुरु व	मेष	01:12:04	बुध	06/08/2016
शनि	30/04/2021	29:28:13	वृष व	शुक्र	तुला	17:29:22	केतु	15/09/2017
बुध	18/11/2023	12:02:41	मीन	शनि व	मेष	17:07:39	शुक्र	15/11/2020
केतु	05/12/2024	21:25:19	कन्या व	राहु	कर्क	10:36:14	सूर्य	28/10/2021
शुक्र	06/12/2027	21:25:19	मीन व	केतु	मक	10:36:14	चन्द्र	29/05/2023
सूर्य	30/10/2028	10:28:21	मक व	हर्ष	मक	20:10:36	मंगल	07/07/2024
चन्द्र	01/05/2030	03:35:44	मक व	नेप	मक	08:46:32	राहु	14/05/2027
मंगल	19/05/2031	07:33:27	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	16:58:43	गुरु	24/11/2029

लग्न-चलित

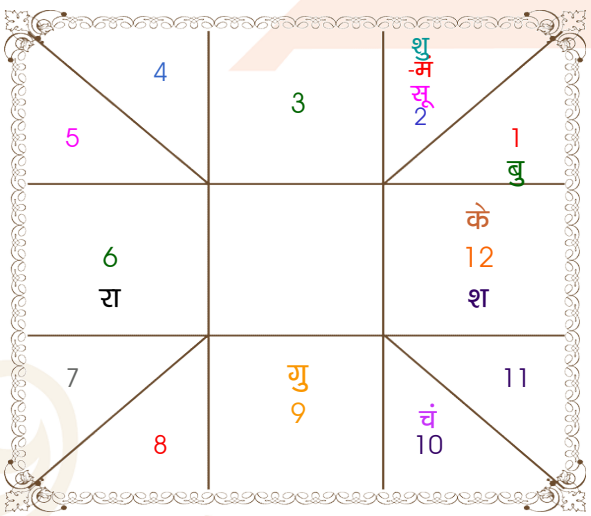

लग्न-चलित

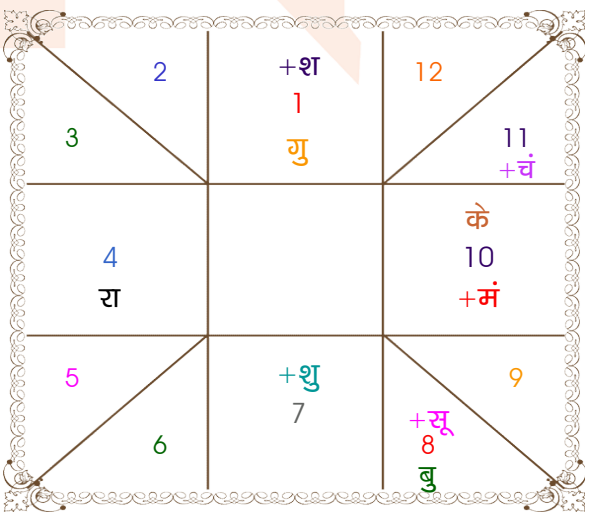

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	सिंह	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	कुम्भ	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Jagrat का वर्ग मार्जार है तथा Kavya verma का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Jagrat और Kavya verma का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Jagrat मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

Kavya verma मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में मकर राशि में तथा अष्टम भाव में मीन राशि में मंगल हो तो मंगल का दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Kavya verma कि कुण्डली में सप्तम् भाव में मकर राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Kavya verma कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।

अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Jagrat कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Jagrat तथा Kavya verma में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।